हमारी धरोहर

यहां वाल्मीकि ऋषि ने की थी संस्कृत भाषा में रामायण की रचना, 5 से 7 नवंबर तक लगेगा प्रसिद्ध मेला

सुरपन नदी के तट पर है लव-कुश की जन्म नगरी सीतारपटन

मंडला 04 नबंवर नभाप्र. जिला मुख्यालय से करीब 25 किमी दूर ग्राम अंजनिया के पास सीतारपटन सुरपन नदी के तट पर स्थित है, यह नदी झिगराघाट से होकर बंजर नदी तक जाती है। जनश्रुति के अनुसार सीतारपटन लव कुश की जन्म नगरी है। स्थानीय लोगों के अनुसार सीतारपटन में ही भगवान लव कुश का जन्म हुआ था। यहीं महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना भी की थी। बताया गया कि सीता रपटन में माता सीता जी सुरपन नदी से पानी लेकर बाल्मीकि आश्रम आ रही थीं, इसी दौरान चट्टाननुमा पत्थरों से फिसलकर गिर गई थी, उसी समय से इस स्थान को सीता रपटना कहां जाने लगा है। यहां आज भी चट्टान के बीचों बीच एक प्राकृतिक फिसल पट्टी बनी हुई है। यहां आने वाले लोगों को आज भी इस फिसल पट्टी से फिसलते देखे जा सकते है। इसी के पास ही चट्टान नुमा पत्थरों को बजाने से नगाड़ों की आवाज भी आती है। माना जाता है की लव-कुश के जन्म के समय नगाड़े बजाये गए थे जो अब पत्थर में बदल चुके हैं। यहाँ एक विशेष प्रजाति का पेड़ भी मौजूद है। जिसे अनजान पेड़ के नाम से जाना जाता है। यहां कई वनस्पति शास्त्री भी आये पर इस पेड़ का नाम जानने में कामयाबी नहीं मिली। माना जाता है की इसी पेड़ के नीचे महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी।जानकारी अनुसार अंजनिया से महज कुछ ही दूरी पर स्थित सीतारपटन का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। पर्यटन स्थल होने से यहां देशी-विदेशी सैलानी भी घूमने के लिए पहुंचते हैं, लेकिन यहां जरूरी सुविधाओं के अभाव सैलानियों और मंदिर पहुंचे भक्तों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय जनों की मान्यता के अनुसार सीतारपटन लव कुश की जन्म नगरी है। इसी स्थान पर वाल्मीकि ऋषि ने संस्कृत भाषा में रामायण की रचना की।

तीन दिन भरेगा मेला

जिले के सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में शामिल सीतारपटन क्षेत्र भी शामिल है। यहां साल भर जिले समेत अन्य जिले प्रदेश के लोग आते है। यहां तीन दिवसीय भरने वाला मेला भी प्रसिद्ध है। इस वर्ष मड़ई का आयोजन 05 से 07 नवम्बर तक किया जाएगा। इस मड़ई को लेकर स्थानीय लोग काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वहीं प्रशासन द्वारा इस पर्यटन स्थल में जरूरी सुविधाएं मुहैया नहीं कराए जाने से आने वालें लोगों और स्थानीय लोगों में नाराजगी भी हैं।

तीन बार होता है पतझड़

सीतारपटन में नदी किनारे लगे पेड़ के नीचे वाल्मिकि ऋषि ने तपस्या की और रामायण की रचना भी की थी। यहां दो ऐसे पेड़ आमने-सामने लगे है जिसमें एक पेड के नीचे सीता जी की कुटिया बनी होना बताया जाता है जो एक छोटी गुफा जैसे है। वही दूसरे पेड़ में 3 बार पतझड़ आता है लेकिन यहां नया पत्ता कब आता है किसी को पता ही नहीं चलता। झड़ने वाले पत्ते कहां उड़ जाते है ये भी पता नहीं है।

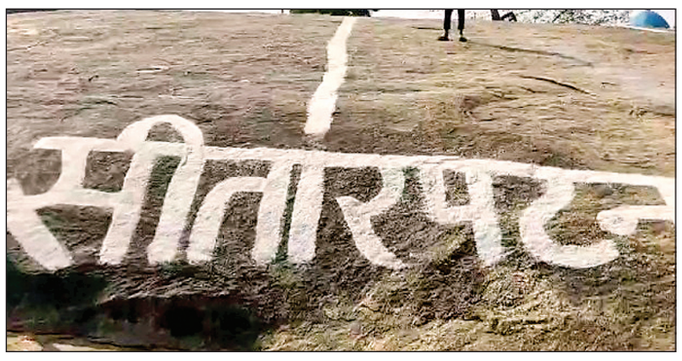

पत्थरों से आती है नगाड़ों की आवाज

लोगों का मानना है कि जब भगवान श्रीराम ने प्रजा के कहने पर माता सीता को महल से निष्कासित कर दिया तो सीता जी ने वनवास के दौरान वाल्मिकि ऋषि जी के आश्रम में ही शरण ली थी। तब ही वनवास के दौरान यहां सीता जी ने दो पुत्र लव और कुश को जन्म दिया था। यहां चट्टाननुमा पत्थरों को बजाने से नगाडे जैसे मधुर आवाज सुनाई देती है। लोगों का मानना है कि ये नगाड़े ही थे जो अब पत्थर के स्वरूप में नजर आते हैं। इन नगाडो को लव कुश के जन्म की खुशी में बजाये जाने का दावा भी किया जाता है।

जरूरी सुविधाएं हैं नदारद

हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा को तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है। बता दे कि यहां आयोजित होने वाले मेले में मंडला सहित जबलपुर, रायपुर, छतीसगढ़, कवर्धा आदि जैसे अन्य जगहों से व्यापारी तरह-तरह की सामग्री लेकर पहुंचते हैं। वहीं अब तक जिला प्रशासन की ओर से यहां कोई तैयारी नहीं की गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं, सैलानियों के लिए किसी तरह की सुविधाएं उपलब्ध नहीं है।

कलयुगी बेटे ने परखी से हमला कर पिता की हत्या की, शॉर्ट पीएम रिपोर्ट से खुला राज

- खाना खाने को लेकर हुआ झगड़ा
- आमाडोंगरी में पिता की हत्या के बाद बेटे ने किया गुमराह करने का प्रयास
- पुलिस ने किया गिरफ्तार

निवास 04 नबंवर नभाप्र. मंडला जिले के निवास थाना क्षेत्र के आमाडोंगरी गांव में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहाँ पप्पू मरावी ने घरेलू विवाद के चलते अपने 55 वर्षीय पिता नरबद की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है और उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है। जानकारी अनुसार निवास पुलिस को 1 नवंबर की रात निवास अस्पताल से नरबद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना मिली थी। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर घर के अंदर खून बिखरा मिला, जिससे हत्या की आशंका जताई गई। बताया गया कि विवाद के बाद पिता जब गंभीर रूप से घायल हो गए, तो आरोपी पुत्र पप्पू मरावी ही उन्हें अस्पताल लेकर आया और पुलिस को यह कहकर गुमराह करने की कोशिश की कि पिता गिरकर घायल हुए हैं। हालांकि चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पीएम रिपोर्ट से खुला राज

एसपी रजत सकलेचा ने बताया कि मृतक नरबद की मृत्यु पर मर्ग कायम किया गया था। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में मृतक के गले में गहरे चोट के निशान और खून का रिसाव पाया गया। इसके बाद पुलिस का शक बेटे पर गहराया। रिमांड में लेकर सख्ती से पूछताछ करने पर पुत्र ने स्वीकार किया कि खाना खाने को लेकर हुए विवाद के दौरान उसने परखी से पिता पर हमला कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी पुत्र ने ही अपने पिता का अंतिम संस्कार भी किया था। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

तीन दिवसीय मड़ई में दूर-दराज से पहुंचे व्यापारी, चंडी पूजा की तैयारी

- मड़ई में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, पुलिस विभाग ने लगाए बैरियर
- दो दिन पहले झूले-दुकानों का किया निरीक्षण, उमड़ेगा जनसैलाब

नारायणगंज 04 नबंवर नभाप्र. नारायणगंज क्षेत्र की सबसे बड़ी मड़ई का आयोजन आज बुधवार से शुरू होगा, जो तीन दिनों तक चलेगा। इस तीन दिवसीय आयोजन में दूर-दराज के व्यापारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं, जिसके चलते यहाँ भारी भीड़ बनी रहती है। बताया गया कि यह मड़ई अपने धार्मिक महत्व के लिए भी प्रसिद्ध है। इस अवसर पर चारों दिशाओं से मड़ई में चंडी लेकर लोग पहुंचते है और चंडी पूजन का भव्य आयोजन किया जाता है, जिसमें आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पंडा-पुजारी शामिल होते हैं। इस चंडी पूजन समारोह के बाद ही मड़ई विधिवत रूप से भरती है और मेले की रौनक बढ़ जाती है। मड़ई की तैयारियों के लिए खेल-खिलौने की दुकान, झूले, डांस और सर्कस वाले लगभग एक सप्ताह पहले ही यहाँ पहुँच चुके हैं। इन गतिविधियों के कारण अगले तीन दिनों तक मेले में भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है। आयोजन के दौरान भीड़ को नियंत्रित रखने और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस विभाग द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए चारों तरफ रोड में बैरियर की व्यवस्था की गई है और बाहर से अतिरिक्त पुलिस फोर्स भी बुलाई गई है।

सुरक्षा की दृष्टि से किया निरीक्षण

पुलिस विभाग और पंचायत द्वारा दो दिन पहले ही दुकानदारों एवं झूला संचालकों की सुरक्षा की दृष्टि से निरीक्षण किया गया था। इस दौरान थाना टिकरिया टीआई गोपाल घोंसले, खैरी सरपंच शांति बाई परस्ते, उप सरपंच दीपक सोनी, सचिव अनिल शर्मा, पड़रिया सरपंच राजकुमार तेकाम, सचिव अभिषेक शर्मा, उप सरपंच विवेक सोनी और पंच सुरेंद्र सोनी और राम कुमार साहू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मैक्स वाहन और बाईक की टक्कर, एक घायल

मंडला 04 नबंवर नभाप्र. नारायणगंज के बाबादेवरी में एक चौपहिया वाहन मैक्स और बाईक की टक्कर हो गई। इस हादसे में बाईक सवार एक युवक घायल हो गया। स्थानीयजनों ने तत्काल घायल को 108 एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नारायणगंज लाया गया। हादसे की सूचना टिकरिया पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर हादसे की जांच कर रही है।

सिद्ध चक्र महामंडल विधान में सिद्ध प्रभु की आराधना का उत्साह

लघु तीर्थ क्षेत्र व्रती नगरी पिंडरई में छह दिवसीय आयोजन

मंडला 04 नबंवर नभाप्र. मंडला जिले के लघु तीर्थ क्षेत्र व्रती नगरी पिंडरई में इन दिनों मुनिद्वय मुनिश्री नीरज सागर एवं मुनिश्री निर्मद सागर के मंगल सानिध्य में 26 मंडल युक्त श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन चल रहा है। गत छह दिनों से चल रहे इस विधान में संपूर्ण जैन समाज उत्साह के साथ श्री सिद्ध प्रभु की आराधना में भाग ले रहा है। बताया गया कि विधान के दौरान प्रात: काल में सिद्ध प्रभु की आराधना की जा रही है, वहीं संध्या काल में श्री जी की महाआरती के बाद विशेष नाट्य मंचन आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। राजस्थान से आई हुई नाट्य मंडली के प्रमुख सुभाष जैन ने जानकारी दी कि प्रतिदिन शाम को श्री पार्श्व प्रभु के पंच कल्याणक के मनोरम दृश्यों का मंचन किया जा रहा है। गत रात्रि में कमठ का उपसर्ग नामक सुंदर नाटिका का मंचन हुआ।

पुण्यार्जक परिवार को मिला सौभाग्य

मुख्य मंडल पुण्यार्जक परिवार के संजय एवं सुषमा को भगवान श्री पार्श्वनाथ के माता-पिता बनने का सौभाग्य मिला, वही विपिन जैन विद्याश्री के सुपुत्र विविध ने बालक पार्श्व कुमार की भूमिका निभाई। साधु सेवा समिति के पदाधिकारी ऋषभ जैन ने बताया कि इस वृहद आयोजन के समापन पर श्रीजी की भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। शोभा यात्रा के मध्य मुनिद्वय की नवीन पिच्छिका भी पुण्यार्जक जय कुमार एवं विजय कुमार के परिजनों के सर पर शोभायमान होंगी।

वर्षों से रिक्त पद भरा, अनुभवी एवं अनुशासनप्रिय अधिकारी नियुक्त

एसके जाटव ने संभाला कार्यभार, शिक्षक संघ ने किया स्वागत, संस्था को मिला नया मुखिया

मंडला 04 नबंवर नभाप्र. जिला समन्वयक संस्था शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 मंडला में प्राचार्य एवं समन्वयक के पद पर एसके जाटव ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वर्षों से रिक्त चल रहे इस महत्वपूर्ण पद के भरने से जिले की प्रशासनिक और बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन कार्यों को गति मिलने की आशा है।

कार्यभार ग्रहण करने पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की ओर से

उनका भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष एवं मंडल संयोजक विवेक शुक्ला ने पुष्प गुच्छ भेंट किया। अखिलेश चंद्रोल, राजेश महोबिया सहित शिक्षक संघ व विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं स्टाफ शिक्षकगण उपस्थित रहे।

श्री जाटव पूर्व में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य कर चुके हैं और उन्हें बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन का अच्छा अनुभव है। अपने सरल व मिलनसार व्यक्तित्व के साथ-साथ उन्हें अनुशासनप्रिय अधिकारी के रूप में जाना जाता है। सभी ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

हम फाउंडेशन ने आंगनवाड़ी केंद्र में दिया पंखा

कार्यकर्ता, सहायिका को भी किया गया सम्मानित

मंडला 04 नबंवर नभाप्र. हम फाउंडेशन भारत मंडला के द्वारा हिरदेनगर आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए जागरूकता और उपहार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हम फाउंडेशन की वरिष्ठ कार्यकर्ता उषा चौरसिया और प्रांतीय महिला संयोजिका नाहिद तबस्सुम ने बच्चों को कंपास, पेंसिल, रबर और टूथ ब्रश सहित अन्य उपयोगी सामान उपहार में दिए। इस अवसर पर बच्चों के लिए खेल आयोजित किए गए और उन्हें गुड टच-बैड टच की जानकारी देकर जागरूक किया गया। इसके साथ ही केन्द्र में

पंखा न होने के कारण फाउंडेशन ने केंद्र को एक पंखा भेंट किया। संस्था की ओर से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका दीदी को भी गिफ्ट भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शालिनी चौरसिया, सायना खान, अर्चना चौरसिया सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वोकल फॉर लोकल- भोपाल में छाया मंडला का कृषि समूह, मेले में मिलेट्स उत्पादों का प्रदर्शन

- मुख्यमंत्री ने किया राज्य स्तरीय आयोजन का समापन
- स्थापना दिवस मेले में मंडला के स्वदेशी उत्पादों की धूम

मंडला 04 नबंवर नभाप्र. मप्र के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर स्वदेशी उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए राज्य स्तरीय आयोजन राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में विगत दिवस आयोजित किया गया। इस मेले में वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहित करते हुए मंडला जिले के समूहों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। बताया गया कि उप संचालक किसान कल्याण व कृषि विकास विभाग के मार्गदर्शन में मंडला के बिछिया ब्लॉक के ग्राम उमरवाड़ा

से रानी दुर्गावती शहद स्व सहायता समूह की कृष्णा मार्को एवं गीता नेटी ने जिले का प्रतिनिधित्व किया।

जानकारी अनुसार भोपाल में आयोजित इस तीन दिवसीय मेले में मंडला के समूहों द्वारा विशेष रूप से मिलेट्स (मोटे अनाज) आधारित उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया गया। इनमें कोदो, कुटकी, मिलेट्स लड्डू, शहद, रागी, मक्का और ज्वार का आटा मुख्य रूप से शामिल था।

मंडला के प्रतिनिधित्व में सेंटर ऑफ डिस्कवरी फॉर विलेज डेवलपमेंट संस्था के डायरेक्टर निशार कुरैशी भी विशेष रूप से सहभागी बने। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय मेले के माध्यम से वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा दिया गया, जिससे शहरी ग्राहकों को मंडला के विभिन्न प्राकृतिक और स्वदेशी उत्पादों को जानने व खरीदने का मौका मिला। इस आयोजन को सफल बनाने में विभाग की तरफ से नोडल अधिकारी प्रताप सिंह पटले का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

मप्र के 70वें स्थापना दिवस पर तीन दिनों तक सांस्कृतिक कार्यक्रम, ऐतिहासिक विषयों पर नाट्य मंचन और ड्रोन से आसमान पर बेहतरीन प्रदर्शन किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश के विशेष कार्यों को दर्शाया गया। प्रदेश भर से आए लोक नृत्य समूहों ने शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। राज्य स्तरीय मेले का समापन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा किया गया।

शासकीय संपत्ति के दुरुपयोग को लेकर ग्रामीणों में रोष

- मरघटाई और गौठान पर अवैध कब्जा, घुघरी गजराज के ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन
- पटवारी पर मिलीभगत का आरोप

घुघरी 04 नबंवर नभाप्र. घुघरी की ग्राम पंचायत गजराज के ग्रामीणों ने एक गंभीर मामले को लेकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) घुघरी को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत की सार्वजनिक मरघटाई (शांति धाम) और गौठान की जमीन पर अवैध कब्जे और शासकीय संपत्ति के गंभीर दुरुपयोग की शिकायत की है। ग्रामीणों ने बताया कि राम सिंह पिता मंगली नामक व्यक्ति ने खसरा नंबर 68 (रकबा 0.14) और खसरा नंबर 64 (रकबा 0.16) पर अवैध कब्जा कर लिया है। शिकायत में बताया गया है कि अतिक्रमणकारी इस सार्वजनिक जमीन पर अवैध रूप से फसल बोनी कर रहा है।

बताया गया कि अतिक्रमणकारी ने उस जमीन को भी नुकसान पहुंचाया है जिस पर ग्राम पंचायत द्वारा वृक्षारोपण कराया गया था। उसने जमीन में ब्लास्टिंग करते हुए गड्ढा कर कुआं निर्माण भी कर लिया है, जो शासकीय संपत्ति का सीधा दुरुपयोग है। इसके साथ ही ग्रामीणों ने राजस्व विभाग के स्थानीय अधिकारी पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पटवारी की मिलीभगत से छोटे झाड़ की मत की शासकीय भूमि का अवैध पट्टा अतिक्रमणकारी को दिया गया है।

प्रशासन से उच्च स्तरीय जांच की मांग

ग्रामीणों ने एसडीएम से तत्काल इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने और अवैध कब्जाधारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहां है कि सार्वजनिक उपयोग की इन जमीनों पर अतिक्रमण होने से उन्हें भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की है कि पटवारी की भूमिका की जांच कर जल्द ही शासकीय जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया जाएगा।

चेतावनी

हर्राटिकुर और अमदरा की सड़कें अधूरी, लापरवाही से परेशान सैंकड़ों लोग पहुंचे जनसुनवाई शिकायत लेकर

स्वीकृत सड़कों का निर्माण अटका, ग्रामीणों में रोष, करेंगे धरना-प्रदर्शन

मंडला 04 नबंवर नभाप्र. जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत मुख्यमंत्री अवसंरचना मद से स्वीकृत सड़कों का निर्माण कार्य शुरू न होने को लेकर ग्रामीणों में गहरा असंतोष फैल गया है। जनपद अध्यक्ष आशाराम भारतीया के नेतृत्व में अनेक ग्रामीण मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे और जिला प्रशासन से तत्काल काम शुरू कराने की मांग की। ग्रामीणों ने शिकायत करते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में दो सड़कें स्वीकृत हुई थीं, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी लापरवाह बने हुए हैं और कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है।

बताया गया कि जो मार्ग स्वीकृत हुए थे, उनका निर्माण कार्य रूका हुआ है। जिसमें नारायणगंज के ग्राम हर्राटिकुर से साल्हेपानी तक सड़क निर्माण। ग्राम अमदरा में कुई से मल्धा तक सड़क निर्माण कार्य नहीं हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के सैकड़ों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा, लेकिन कार्य में देरी के कारण ग्रामीण आज भी कच्चे रास्तों से आने-जाने को मजबूर हैं। खासकर बरसात में स्थिति और भी विकट हो जाती है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों, किसानों और बीमारों को अस्पताल तक पहुंचने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

सरकारी राशि निकाले जाने की शंका

जनपद अध्यक्ष आशाराम भारतीया ने बताया कि पूर्व में भी विभाग से पूछताछ की गई, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला, जबकि सड़कों की स्वीकृति और भूमिपूजन हुए महीनों बीत चुके हैं। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि कहीं इन सड़कों के बिना निर्माण किए ही सरकारी राशि निकाल ली गई हो।

15 दिन का दिया अल्टीमेटम

ग्रामवासियों ने जिला प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, तो क्षेत्रवासी उग्र आंदोलन करने को विवश होंगे। ग्रामीणों ने कलेक्टर से तत्काल मामले का संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की है जिससे कार्य शीघ्र शुरू हो सके। इस दौरान यशवंत सिंह, नरेन्द्र कुमार, प्यारे लाल, हिरमोलिन, उपसरपंच गूजरसानी सहित बड़ी संख्या में अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

हेल्पलाईन-9713644800

माँ नर्मदा होम कॉलोनी

(प्रस्तावित बस स्टेण्ड गाजीपुर के समीप व निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज बड़ी खैरी की सीमा से लगा हुआ)

कम से कम रेट पर... सभी साईज के प्लॉट उपलब्ध

शासकीय कर्मचारी व प्रायवेट कर्मचारी के साथ-साथ व्यापारी भाईयों के लिये सुनहरा अवसर

आज ही आईयें और अपने घर का सपना साकार कीजिये

बिजली, सड़क एवं नाली की सुविधा युक्त

कम से कम कागजी कार्यवाही, तुरंत फायनेंस स्वीकृति, शत्-प्रतिशत फायनेंस

स्पेशल ऑफर प्लाट बुक करने पर रजिस्ट्री फ्री

मो.- 7828214860, 8305671202

पता ऑफिस- जबलपुर - रायपुर नेशनल हाइवे, बायपास मेन रोड, कटरा (मंडला)

सिटी ऑफिस- हाउसिंग बोर्ड काम्पलेक्स, प्रथम तल फ्लेट नं. 4 बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने, जबलपुर रोड, मंडला